an>

Title: Need to provide rail services in Sanchore in Jalore district, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर)ः आज से आठ दशक पहले यानि 15 मार्च, 1929 को जालोर में पहली बार रेल दौड़ी थी। आज जालोर जिले की जनसंख्या 20 लाख से ऊपर हो गई है। अब तक जिले में रेल सुविधाओं का विस्तार नहीं हुआ है। सांचौर जिले का एक उपखंड है तथा यह क्षेत्र अंतराष्ट्रीय सीमा क्षेत्र घोषित है और अत्यन्त ही पिछड़ा क्षेत्र है। यहां के जन-प्रतिनिधियों की मांग पर दो साल पूर्व रेल बजट में सर्वे की घोषणा की गई थी। परन्तु अब तक रेल सेवा से महरूम सांचौर, बाड़मेर और गुजरात के बीच का महत्वपूर्ण प्वाइंट है। सांचौर में सूखा बंदरगाह भी प्रस्तावित है। इस क्षेत्र में रेलवे लाइन के आने से यहां रोजगार, व्यापार, पर्यटन निवेश के अवसर बढ़ेंगे। जिससे यहां पर उत्पादित वस्तुओं का विदेश तक आयात और निर्यात हो सकेगा। यह रेल लाइन परिवहन व्यापार के साथ-साथ सैन्य सुविधाओं के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र तेल, गैस, विंड, पॉवर, ग्रेनाइट स्टोन माइनिंग के हब के रूप में विकसित हो रहा है। देश के अग्रणी और महत्वपूर्ण कम्पनियों ने यहां निवेश कर रखा है व निवेश की योजना बना रही है। सांचौर रेलवे लाइन के आने से जालोर जिले के नागरिको को सस्ता और आरामदायक सफर का फायदा मिलेगा। इस रेलवे लाइन से बॉर्डर के मुख्य गांव और कस्बों को रेल सेवा से जोड़ा जा सकेगा।

अतः मेरा आग्रह है कि वर्षों से रेल सेवा से वंचित सांचौर को जल्द से जल्द रेलवे लाइन से जोड़ा जाए।